

राँची अंदूगीक क्षेत्र किसास प्राधिकार
 'रियाडा विव' (द्वितीय मजिल)
 मेन रीड, राँची-8 3400।

129

पत्र संख्या १३७६, दिनांक ११.१२.८६
 प्रेषक :- श्री सजल चक्रवर्ती, भाइप्रोसे
 प्रबंधा निदेशक ।

प्रेग्नेंसी ,

सर्वश्री अमृता - हातों की पट्टी,
निष्ठा रुद्रा - देखा
भगवत्ता - देखा

विषय :- अद्योगिक क्षेत्र/ प्रांगण सर्वांगी की पूनि का आवंटन।

ਮਾਹਿਸੂਸ,

1- इवाई को 80,00/- स्थगि (अनुसन्धान परियोजना) प्रति संकड़ तर्दध दर से ग्रावीटेट भूमि का सलाखी (80,00/- स्थगि) अनुसन्धान परियोजना के मद्देन्द्रिय व्यय इत्यादि के मद्देन्द्रिय प्रबंध निदेशक, आद्योगिक द्वीत्र विकास प्राधिकार, राजी के नाम से दैव छाफूट द्वारा हस्त पत्र के निर्गत से एक माह के अन्दर जमा करना होगा ।

2- भूमि-की सत्तावौ का अन्तिम निर्धारण भूमि के विकास का वास्तविक पालन होने पर भू-अर्जन की राशि में वृद्धि होने पर, पुनर्वास में लगत होने पर सर्व भद्रकारा भूमि के दभ संबंधी अन्य किन्तु जी पर नीति निर्धारण के फलस्वरूप के आधार पर जायेगा।

3- तदर्थ सलामी तथा अन्तम रूप से निधारण दर में जो अन्तर होगा वह इकाई दूवारा होगया। जिसका भुगतान इकाई को प्राधिकार से सूचना प्राप्त होने के एक महोने के अन्दर करना होगा और इकाई को इस आशय का स्कारार पत्र भी लिख देना होगा।

4- यदि इकाई वाहे तो भूमि का उपर्युक्त सलामी किस्त में भुगतान कर सक है। भू-भंड पर स्वामित्व प्राप्त करने के पूर्व प्रारम्भिक भुगतान (पृथम किस्त) - 10% - प्रतिशत अर्थात् - ~~₹०८,०००/-~~ - स्थायी भुगतान किया जाना है बाराशि का भुगतान - ₹८२ - लार्जिक किस्तों में किया जाना है। प्रत्येक किस्त ₹८८ - स्थायी का होगा। द्वितीय किस्त भूमि के अटकन की तिथि के स्कर्का 1/1 अर्जात - 198 को देय होगा। इसके बाद शेष किस्तों के भुगतान अगले वर्ष की इसी तिथि की देय होगा।

5- निधारित समय में विधिवत् किस्त भुगतान नहीं होने पर 12 प्रतिशत या तत्त्वालीन दैनंदिन घूट की दर से भी अधिक होगा इकाई की घूट के स्थायी के वसूली प्रब्लिक छिमान्ड वे स्थायी विहार सम्पुर्ण उद्दीप्त प्रब्लिक रिकोप्हारी स्कृट के अन्तर्गत की जा सकती है।

6- किस्ती पर भूमि लेने वे लिये इकाई की लिखित स्थायी स्कारानामा करना होगा। जब तक किसी दो भुगतान इकाई दूवारा नहीं हो जायेगा, भूमि प्राधिकार के पास बर्धक रहेगा।

7- भूमि के सलामी इत्यादि जिसका विवरण उपरोक्त में किया गया है उसके अतिरिक्त इकाई की प्रति वर्ष 50/- स्थायी प्रति स्वाहा की दर से अर्थात् - ₹५०/- - (रुपये ५०/-) लगान प्रत्येक 31 मार्च के पहले स्थायी प्राधिकार कार्यालय में जमा दरना होगा। प्रत्येक चार वर्षों के बाद लगान की दर एप्रील 100/- स्थायी प्रति स्वाहा की दर से इकाई दूवारा देय होगा। इसके अतिरिक्त वर्ष प्राधिकार दूवारा निधारित रस्ते रखाव व्यय भी इकाई दूवारा देय होगा।

8- इकाई की नियोजन तथा व्यवहारिक प्रशिक्षण में कारब्राना के क्षेत्र का स्थानीय को प्राथमिकता देनी होगी।

10- आवंटो आवंटन की तिथि से एक माह के भीतर भूमि के सलार्मी/प्रथम दिन जमा करके बंध पत्रों (बॉड) लिखकर उसके पछवारे के भीतर भूमि का बंजा ले लेगा।

11- भूमि के स्वामित्व के तीन माह के अन्तर्गत प्राधिकार के आरम्भाना के कर्मशाला के नक्शे का अनुसोदन करा लेना होगा। भूमि पर किसी प्रकार का नियमित कार्य बिना पूर्व अनुसोदन के अनियमित होगा।

12- भूमि के स्वामित्व की तिथि से 6 महीने के अंदर इकाई को उत्पादन कार्य आरम्भ कर देना होगा। योजना के कार्यान्वयन करने की दिशा में ठोस प्रगति नहीं दिखाने पर भूमि का आवंटन रद्द कर दिया जायेगा।

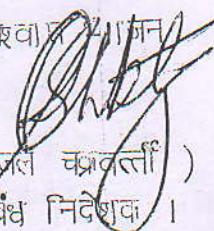
13- इकाई की आवंटित भूमि का पट्टा एवं एकार पत्र में प्राधिकार से अनुसोदित करा कर लिख देना होगा तथा इसका निर्बंधन भी समुचित प्राधिकारी के समृद्ध करना होगा, जिसका छार्ट इकाई वहन करेगी।

14- यदि इकाई कोई कम्पनी है तो उसका निर्बंधन कम्पनी स्केट के अन्तर्गत बिहार भी करा लेना आवश्यक है। यदि भूमि आवंटन के अभ्यन्तर नहीं काया गया ही तो इस आदेश के निर्गत होने की तिथि से दो महीने के अंदर निर्बंधन करा लेना आवश्यक है अन्यथा दो हीने दो ग्रन्थि पे बाद आवंटन रद्द समझा जायेगा।

15- आवंटन आदेश के निर्गत की तिथि के एक पछवारे के भीतर आवंटन की शर्तों की स्वीकृति सब्सिडी से लिखा कर दें। जिसमें सब्सिडी उल्लेख करें कि भूमि नक्द या दिक्षितों पर लेना चाहते हैं। यदि एक माह के अंदर इस संबंध में कोई घूमना नहीं प्राप्त होगा तो आवंटन आदेश जब तक इसका नवीकरण नहीं हो जाता है रद्द समझा जायेगा और जपानत एवं आधेन परियोग का स्वयं जब्त ही जायेगा।

16- इकाई का एन्टोक्यूशन जैसे साझेदारी, प्राइवेट कम्पनी आदि बदलने के पूर्व आवंटो की स्वीकृति प्राप्त करना होगा। अगर इकाई के 1.4-करों सत्याधिकारी के लावे हुई हो तो उसे साझेदारी अथवा प्राइवेट लिंग कम्पनी में परिवर्तन किया जा सकता है जिसके लिये इकाई की पूर्व प्राधिकार की स्वीकृति प्राप्त करना होगा।

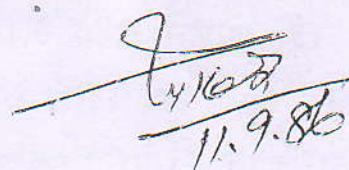
119
 17- आवंटी द्वारा आवंटन की सभी या एक भी शर्त के उल्लंघन करने पर प्रबंध निदेशक, राँची ओद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार को यह अधिकार होगा कि आवंटी की बिना कोई मुआवजा दिये हुए उनके द्वारा जमा की गयी प्रतिमूलि इर्द चुकाये गये तर्द बंलाई लगान आदि के विस्तों परी राशि की जब्त कर नये आवंटियों के बाथ आवंटन बंलाई और रिटर्न द्वारा कर तथा अधित भूमि उन्हें आवंटित कर दी जाय तथा इस व्यक्ति में पहली का पद्धत दिया जमा किया गया हो तो समाप्त समझा जायेगा।

विवास व्याज

 (सुरेश कुमार)
प्रबंध निदेशक

ज्ञाप संख्या २३७६, राँची, दिनांक ११.९.८६ / 1986.

प्रतिलिपि - सुरेश कुमार / अ-५२५०२८५
 रियाडा, राँची को सूमार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।


 विकास प्राधिकारी ।


 ११८८
 ११.९.८६